

Hindi Literature — Optional Syllabus

UPSC Civil Services (Main) Examination

हंदी भाषा और नागरी लिपिका इतिहास तथा आदिकवियों से आधुनिक युग तक हंदी साहित्य।

Paper I	250 marks	3 hours
Paper II	250 marks	3 hours
Optional total	500 marks	Counts toward the Mains merit

Paper I syllabus 250 marks · 3 hours

(उत्तर हंदी में लिखे जाने चाहिए)

खंड-क: 1. हंदी भाषा और नागरी लिपिका इतिहास

- I. अपभ्रंश, अवहट्ट और आरंभिक हंदी के व्याकरणिक और प्रयुक्त रूप।
- II. मध्यकाल में बर्ज और अवधी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास।
- III. सद्धि-नाथ साहित्य, खुसरो, संत साहित्य, रहीम आदिक और दख्खनी हंदी में खड़ी बोली का आरंभिक रूप।
- IV. 19वीं शताब्दी में खड़ी बोली और नागरी लिपिका विकास।
- V. हंदी भाषा और नागरी लिपिका मानकीकरण।
- VI. स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान राष्ट्रभाषा के रूप में हंदी का विकास।
- VII. भारत संघ की राजभाषा के रूप में हंदी का विकास।
- VIII. हंदी भाषा का वैज्ञानिक और तकनीकी विकास।
- IX. हंदी की प्रमुख बोलियाँ और उनका पारस्परिक संबंध।
- X. नागरी लिपिकी प्रमुख विशेषताएँ तथा उसके सुधार के प्रयास और हंदी का मानक रूप।
- XI. मानक हंदी की व्याकरणिक संरचना।

खंड-ख: 2. हंदी साहित्य का इतिहास

- I. हंदी साहित्य की प्रासंगिकता और महत्व तथा हंदी साहित्य के इतिहास-लेखन की परंपरा।
- II. हंदी साहित्य के इतिहास के नमूनेलिखित चार कालों की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ।
- क : आदिकाल — सद्धि, नाथ और रासो साहित्य। प्रमुख कवि — चंदबरदाई, खुसरो, हेमचंद्र, वदियापति।
- ख : भक्तिकाल — संत काव्यधारा, सूफी काव्यधारा, कृष्ण भक्तधारा और राम भक्तधारा। प्रमुख कवि — कबीर, जायसी, सूर और तुलसी।
- ग : रीतिकाल — रीतिकाव्य, रीतिबद्ध काव्य और रीतिमुक्त काव्य। प्रमुख कवि — केशव, बहारी, पद्माकर और घनानंद।
- घ : आधुनिक काल — क. पुनर्जागरण, गद्य का विकास, भारतेन्दु मंडल। ख. प्रमुख लेखक — भारतेन्दु, बालकृष्ण भट्ट और प्रतापनारायण मशिर। ग. आधुनिक हंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ : छायावाद, प्रगतवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता और जनवादी कविता। प्रमुख कवि — मैथिलीशरण गुप्त, प्रसाद, नरिला, महादेवी, दनिकर, अज्जेय, मुक्तबोध, नागार्जुन।

खंड-ख: 3. कथा साहित्य

- क : उपन्यास और यथार्थवाद
- ख : हर्दी उपन्यास का उद्भव और विकास।
- ग : प्रमुख उपन्यासकार — प्रेमचंद, जैनेंद्र, यशपाल, रेणु और भीष्म साहनी।
- घ : हर्दी कहानी का उद्भव और विकास।
- ङ : प्रमुख कहानीकार — प्रेमचंद, प्रसाद, अज्ञेय, मोहन राकेश और कृष्णा सोबती।

खंड-ख: 4. नाटक और रंगमंच

- क : हर्दी नाटक का उद्भव और विकास।
- ख : प्रमुख नाटककार — भारतेदु, प्रसाद, जगदीशचंद्र माथुर, रामकुमार वर्मा, मोहन राकेश।
- ग : हर्दी रंगमंच का विकास।

खंड-ख: 5. आलोचना

- क : हर्दी आलोचना का उद्भव और विकास : सैद्धांतिक, व्यावहारिक, प्रगतविदी, मनोवश्लेषणवादी और नई आलोचना।
- ख : प्रमुख आलोचक — रामचंद्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विविदी, रामवर्लास शर्मा और नगेदुर।

खंड-ख: 6. हर्दी गद्य की अन्य वधिएँ

- ललति नबिंध, रेखाचर्तिर, संस्मरण, यात्रा-वृत्तांत।

Paper II syllabus 250 marks · 3 hours

(उत्तर हर्दी में लखि जाने चाहिए) इस प्रश्नपत्र में नर्धारति पाठों के प्रत्यक्ष अध्ययन की आवश्यकता होगी और अभ्यर्थियों की आलोचनात्मक क्षमता की परीक्षा होगी।

खंड-क

1. कबीर : कबीर ग्रंथावली, सं. श्यामसुंदर दास (प्रथम सौ साखियाँ)
2. सूरदास : भ्रमरगीतसार, सं. रामचंद्र शुक्ल (प्रथम सौ पद)
3. तुलसीदास : रामचरितमानस (सुंदर कांड), कवतिवली (उत्तरकांड)
4. जायसी : पद्मावत, सं. श्यामसुंदर दास (सहिल द्वीप खंड और नागमती-वयिग खंड)
5. बहारी : बहारी रत्नाकर, सं. जगन्नाथप्रसाद रत्नाकर (प्रथम 100 दोहे)
6. मैथलीशरण गुप्त : भारत-भारती
7. प्रसाद : कामायनी (चति और श्रद्धा सर्ग)
8. नरिला : राग-वरीग, सं. रामवर्लास शर्मा (राम की शक्ति-पूजा और कुकुरमुत्ता)
9. दनिकर : कुरुक्षेत्र
10. अज्ञेय : आँगन के पार द्वार (असाध्य वीणा)
11. मुक्तबोध : ब्रह्मराक्षस
12. नागार्जुन : बादल को घरिते देखा है, अकाल के बाद, हरजिन गाथा।

खंड-ख

1. भारतेदु : भारत दुर्दशा
2. मोहन राकेश : आषाढ का एक दनि
3. रामचंद्र शुक्ल : चतिमर्णि (भाग-1) (कवति क्या है, श्रद्धा और भक्ति)

- 4. डॉ. सत्येन्द्र : नर्बिध-नलिय — बालकृष्ण भट्ट, प्रेमचंद, गुलाबराय, हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामवर्लस शर्मा, अज्जेय, कुबेरनाथ राय।
- 5. प्रेमचंद : गोदान; प्रेमचंद की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ, सं. अमृतराय / मंजूषा।
- 6. प्रसाद : स्कंदगुप्त
- 7. यशपाल : दव्िया
- 8. फणीश्वरनाथ रेणु : मैला आँचल
- 9. मनू भंडारी : महाभोज
- 10. राजेन्द्र यादव : एक दुनिया समानांतर (सभी कहानियाँ)

Syllabus as per the official UPSC Civil Services (Main) Examination notification. Study notes for this optional are being added on RaahUPSC — raahupsc.com.